an>

title: Issue regarding increasing number of fire accidents in Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : सभापति जी, मैंने पाँच बार यह मामला डाला लेकिन आज नंबर आया है। बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। ...(व्यवधान)

माननीय सभापति: आप एक मिनट में कंप्लीट करें।

श्री रमेश बिधूड़ी : सर प्लीज़, यह बहुत सैंसिटिव विÂषय है।

माननीय सभापति : आप जो कुछ भी बताते हैं, सैंसिटिव ही होता है।

श्री रमेश बिधूड़ी : महोदय, मैं दिल्ली फायर सर्विसेज़ के बारे में जानकारी देना चाहता हूँ। दिल्ली आग के गोले पर बैठी हुई है। दिल्ली सरकार के मुख्य मंत्री ...* करते रहते हैं। दिल्ली फायर सर्विस उनके अंडर आती है। उसकी तरफ सवा साल से उन्होंने चिन्ता नहीं की। अभी कुछ दिन पहले फिक्की हाउस में आग लग गई। दिल्ली में पिछले साल 23200 आग लगने की घटनाएँ हुई थीं, जो इस साल 27000 हो गई हैं। वे दिल्ली पुलिस की डिमांड करते हैं, वे हायर एजुकेशन की डिमांड करते हैं, लेकिन जो उनके अंडर ड्यूटीज़ हैं, उन पर ध्यान नहीं देते हैं। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में दिल्ली में फायर सर्विस के काम करने के तरीके पर स्पÂट रूप से उनकी कमी को दर्शाया है और कहा है कि यह सर्विस जो दिल्ली सरकार के अधीन आती है, वहाँ पर उनकी जो रिक्रूटमैंट है, वहाँ पर 3600 लोगों की रिक्रूटमैंट है काम करने की। केवल 322 ड्राइवर हैं और ऑड-इवन के नाम से अनेक लोग डैप्यूट कर दिए गए और उनको तनख्वाह दी गई, यहाँ पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दिल्ली के मुख्य मंत्री को बार-बार निवेदन करने के बाद भी जिस तरह बरसात से पहले नालियाँ साफ करने की व्यवस्था होती है, उसी प्रकार से बिल्डिंगों की जाँच होनी चाहिए, उसका स्टाफ नहीं है। उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लैफ्टिनैंट गवर्नर दिल्ली सरकार के हैड होते हैं। Just listen to me sir. ...(व्यवधान) वह ...* करते हैं कि प्रधान मंत्री मेरे काम में अड़ंगा डाल रहे हैं, इसलिए एल.जी. साहब डर जाते होंगे, लेकिन एन.सी.टी के पूर्ण रूप से हैड एल.जी. होते हैं। एल.जी. इसमें इंटरफियरैन्स करें और जो दिल्ली सरकार के काम हैं, उन पर ध्यान दें। मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री को कहना चाहता हूँ कि वे एल.जी. को कहें कि वे घबराएँ नहीं इस बात को लेकर, वे दिल्ली के हैड हैं।

महोदय, दिल्ली फायर के अंदर 15 नंबर गली में एक मकान में आग लग गई। एक माता अपने छोटे बच्चे को ताला बंद करके सोता हुआ छोड़कर सब्ज़ी लेने चली गई। बच्चे ने किचन खोल दिया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी आई। गली में मकान 400 मीटर अंदर था लेकिन फायर सर्विस का 200 मीटर का पाइप था। वहाँ पर 13 साल का बच्चा मर गया। जिस प्रकार की सैंसिटिव सरकार होनी चाहिए, वैसा काम वह नहीं कर रही है। इसलिए केन्द्र सरकार बगैर चिन्ता किए हुए लैफ्टिनैंट गवर्नर को ऑर्डर करके वहाँ पर उनको बचाने के लिए दखलंदाज़ी करे। आपने मुझे बोलने का मौका दिया। इसके लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय सभापति :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

कुँवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री सुधीर गुप्ता को श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।